हिंदी–विभाग की साहित्यिक गतिविधियों की वार्षिक रिपोर्ट, जनवरी, 2014–जनवरी 2015

कमला नेहरू कॉलेज के स्वर्ण जयंती वर्ष के समापन समारोह के उपलक्ष्य में **हिंदी विभाग एवं साहित्य अकादेमी** के संयुक्त तत्वावधान में **13 जनवरी 2015 को कवि सम्मेलन 'स्वर्णाभ'** का भव्य सफल आयोजन किया गया। आंमत्रित कवि थे– **श्री बालस्वरूप राही, श्री लीलाधर मंडलोई, डॉ0 लक्ष्मीशंकर वाजपेयी, डॉ0 अनामिका, सुश्री सरिता शर्मा, सुश्री निशा भार्गव, श्री बलवीर माधोपुरी, डॉ0 श्यौराज सिंह बेचैन और श्री कैलाश दहिया। इस कवि सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि बालस्वरूप राही जी ने की एवं मंच संचालन चर्चित कवि लक्ष्मीशंकर वाजपेयी ने किया।** इस कार्यक्रम में सभी कवियों ने ओजपूर्ण कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया था। इस कार्यक्रम का खास आकर्षण इसकी विविधता भी थी। अवकाश प्राप्त अध्यापिका डॉ0 मंजु गुप्ता का सहयोग भी प्रशंसनीय रहा। काव्यरस का यह कार्यक्रम प्रारम्भ से अंत तक काव्यमय था। कुल मिला कर यह सफल और आकर्षक कार्यक्रम रहा।

18–19 सितम्बर 2014 को '**हिंदी साहित्य उत्सव**' का आयोजन किया गया। **18 सितम्बर 2014** को **'सृजन'** द्वारा अंतर्महाविद्यालय हिंदी मौलिक कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें इंद्रप्रस्थ महाविद्यालय की मंजु बत्रा को प्रथम पुरस्कार मिला। द्वितीय पुरस्कार गार्गी कॉलेज की मोहिनी सिंह को मिला। तृतीय पुरस्कार गार्गी कॉलेज की ही पिंकी दलाल को दिया गया। 2 प्रोत्साहन पुरस्कार अरविंदो कॉलेज के प्रवीण कुमार और कमला नेहरू कॉलेज की सिंथिया जॉनसन को दिए गए। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में थे– डॉ0 वागेश्री चक्रधर, डॉ0 विनय विश्वास और डॉ0 राजेन्द्र गौतम।

इसी अवसर पर **'अभिव्यक्ति'** द्वारा अंतर्महाविद्यालय हिंदी वाद–विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसका विषय था– **'भूमंडलीकरण के दौर में हिंदी की अस्मिता संकट में है'**। इसके निर्णायक थे डॉ0 हरीश अरोड़ा, श्री मनीष शर्मा और सुश्री गीताश्री। इसमें प्रथम पुरस्कार विजेता थीं लेडी श्रीराम कॉलेज की यामिनी पाल। द्वितीय पुरस्कार मिला दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के उमर शाह को। तृतीय पुरस्कार कमला नेहरू कॉलेज की उर्वशी सिंहल को दिया गया। 2 प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए–राजधानी कॉलेज की प्रतिष्ठा राव एवं दिल्ली वि0 वि0 के विधि संकाय के राजीव रंजन को।

अगले दिन यानी **19 सितम्बर 2014** को **'कहानी के रंग कविता के संग' रचना संगोष्ठी** का भव्य सफल आयोजन किया गया, जिसमें साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित सुपरिचित कथाकार मृदुला गर्ग, प्रतिष्ठित कवि व कथाकार गंगाप्रसाद विमल, चर्चित कवयित्री अनामिका, वरिष्ठ कवि एवं कथाकार श्यौराज सिंह बेचैन एवं सुपरिचित साहित्यकार सूरज पाल चौहान ने अपनी–अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्वागत वक्तव्य दिया प्रभारी डॉ. रजत रानी आर्य ने और मंच संचालन किया डॉ0 साधना अग्रवाल ने।

2 अप्रैल 2014 को 'हिंदी साहित्य परिषद', 'सृजन' और 'अभिव्यक्ति' के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्महाविद्यालय मौलिक कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रथम पुरस्कार रामलाल आनंद कॉलेज के संजीव ने प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार कमला नेहरू कॉलेज की मोनिका ने जीता, तृतीय पुरस्कार कमला नेहरू कॉलेज की निशा को मिला और चलवैजयंती एल.एस.आर. कॉलेज ने जीती। **3 अप्रैल 2014 को 'हिंदी साहित्य परिषद', 'सृजन' और 'अभिव्यक्ति'** के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्महाविद्यालय वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रथम पुरस्कार हंसराज कॉलेज के नील ने प्राप्त किया।

द्वितीय पुरस्कार कमला नेहरू कॉलेज की मनीषा ने जीता, तृतीय पुरस्कार किरोड़ीमल कॉलेज के गोपाल को मिला और किरोड़ीमल कॉलेज ने ही चलवैजयंती पर विजय पायी।

हिन्दी विभाग द्वारा **18 फरवरी 2014 को अंतः कक्षा नाटक प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। इसमें छह नाटकों का मंचन हुआ। 'धूल का फूल', 'जोधा अकबर' का मंचन हिंदी विशेष तृतीय वर्ष की छात्राओं ने किया। 'चाह है तो राह है', 'जो न थी मेरी चाह वह बन गई मेरी राह' हिंदी विशेष द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने किया। 'रीढ की हड्डी, 'गौरी' हिंदी विशेष प्रथम वर्ष की छात्राओं ने किया। सर्वश्रेष्ठ निर्देशन रेखा , हिंदी विशेष द्वितीय वर्ष, सर्वश्रेष्ठ नाटक पटकथा प्रीति सिंह, हिंदी विशेष तृतीय वर्ष, अभिनय का प्रथम पुरस्कार रेखा को मिला और अभिनय का द्वितीय पुरस्कार हिंदी प्रथम वर्ष की कीर्ति लकड़ा ने प्राप्त किया।

हिन्दी विभाग की प्रमुख संस्था **'हिंदी साहित्य परिषद्'** द्वारा **04 सितम्बर 2014** को पहली बार **अंतर्कक्षा कहानी और कविता लेखन प्रतियोगिता** आयोजित की गई जिसमें छात्राओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। जिसमें 23 छात्राओं ने कहानियां लिखीं और 19 छात्राओं ने कविताएं। सुखद आश्चर्य की बात यह रही कि इस प्रतियोगिता में न सिर्फ हिंदी बल्कि सभी कोर्स की छात्राओं ने भागीदारी की। इस प्रतियोगिता को आयाजित करने के पीछे हमारी मंशा थी कि कहानी और कविता लेखन के माध्यम से साहित्य के प्रति रुचि जागृत करना और साहित्य की संभावनाएं तलाशना। इस प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे– अंतर्कक्षा मौलिक कहानी लेखन में प्रथम पुरस्कार विजेता रहीं **हिंदी विशेष प्रथम वर्ष की रश्मि, द्वितीय पुरस्कार** मिला बी0कॉम पास प्रथम वर्ष की **काव्या त्रिवेदी** को और **तृतीय पुरस्कार** हिंदी विशेष प्रथम वर्ष की ही **श्वेता प्रियदर्शी** को। **2 प्रोत्साहन पुरस्कार** भी दिए गए जिनमें बी0 कॉम पास की प्रथम वर्ष की **शालू और राजनीति विज्ञान द्वितीय वर्ष की रुचि** को। **अंतर्कक्षा मौलिक कविता लेखन** के लिए **अंग्रेजी विशेष प्रथम वर्ष की प्रिया सिंह** को चुना गया। **द्वितीय पुरस्कार** मिला एम0ए0 उत्तरार्द्ध हिंदी की **सिंथिया जॉनसन** को। **तृतीय पुरस्कार** के लिए **हिंदी विशेष तृतीय वर्ष की हिमानी कंवर** को चुना गया। **2 प्रोत्साहन पुरस्कार मिले–बी0ए0 पास प्रथम वर्ष की सनिका और हिंदी विशेष प्रथम वर्ष की ज्योति** को। कहानी और कविता के लिए पुरस्कार हेतु चयनित छात्राओं को पुरस्कार **19 सितम्बर 2014** को **'कहानी के रंग कविता के संग' रचना संगोष्ठी** में प्रतिष्ठित रचनाकारों के करकमलों से प्रदान किया गया।

25 अप्रैल 2014 को **'हिंदी साहित्य परिषद् का समापन समारोह** आयोजित किया गया जिसमें वर्ष भर विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रहीं छात्राओं को प्रोत्साहन हेतु अनेक पुरस्कार प्रदान किए गए।